NCERTENGLISH.IN
LEARN, GROW AND ACHIEVE WITH US

A Letter To God Summary

'A Letter to God' is a masterpiece of utmost faith in God. The writer took a crack at showcasing the faith of a poor and naive (simple) farmer in God. Writing a letter to God, undoubtedly, is an act of unmatched faith that can transform the course of our lives.

'A Letter To God' is an extraordinary story of a Mexican peasant that regenerates you with unshakable hope and modestly challenges you to face hardships of life with courage and determination. Lencho's house stood on the crest of a hill. His family was a happy one in Mexico. His sons were not idle and lethargic.

They worked hard with their father and mother. Lencho had a good crop. But it needed rains badly. He was a happy man for countless reasons. He was a tough guy and believed in making efforts. One day, he was really happy to see huge mountains of clouds and thus predicted rain.

But suddenly a strong wind began to blow. There were very large hailstorms that destroyed his crop completely. Soon the hail spread everywhere, and the fields became white as if covered with salt. Lencho became sad and felt that they would go hungry that year. They would have no seeds for the next crop. The humble man had great conviction in God and asked Him to send him money.

He was sure that no one dies of hunger if one had a great belief in God. The next Sunday, he wrote a letter to God to send him one hundred pesos. He mentioned 'To God' as the address. Then, he went to the post office, placed a stamp on the letter and dropped it into the mailbox. The postmaster came to know about Lencho's unshakable belief in God by opening and reading the letter.

The postmaster decided to help Lencho. He collected all the money that he could collect from his employees and friends and put it all inside the envelope and sent the money to Lencho. Lencho came to the post office to check his mail. The postman gave him the envelope. Counting the money, Lencho was sad and angry. He had asked for one hundred pesos, and God sent him only seventy.

He wondered how that could be possible! He wrote another letter to God. He asked God to send him the rest of the money. But he wanted God not to send the money through the mail saying that the post office employees were a bunch of thieves.

A Letter To God Summary in Hindi

ए लेटर टू गॉड' ईश्वर में अत्यंत आस्था की उत्कृष्ट कृति/ लेखन है। लेखक ने एक गरीब और भोले-भाले (सरल) किसान की ईश्वर में आस्था को प्रदर्शित करने में कोशिश की है । ईश्वर को पत्र लिखना, निस्संदेह, बेजोड़ विश्वास का एक कार्य है जो हमारे जीवन की दिशा बदल सकता है।

'ए लेटर टू गॉड' एक मैक्सिकन किसान की असाधारण कहानी है जो आपको अटल आशा के साथ पुनर्जीवित करती है और आपको साहस और दृढ़ संकल्प के साथ जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए विनम्रतापूर्वक चुनौती देती है। लेंचो का घर एक पहाड़ी की चोटी पर खड़ा था। मेक्सिको में उनका परिवार खुशहाल था। उनके बेटे आलसी और सुस्त नहीं थे।

उन्होंने अपने पिता और मां के साथ कड़ी मेहनत की। लेंचो की फसल अच्छी हुई। लेकिन उसे बारिश की सख्त जरूरत थी. लेंचो एक खुशमिजाज आदमी था। वह प्रयास करने में विश्वास रखते था । एक दिन, वह बादलों के विशाल पहाड़ों को देखकर बहुत खुश हुआ और उसने बारिश की भविष्यवाणी की।

लेकिन अचानक तेज हवा चलने लगी. बहुत ओलावृष्टि हुई जिससे उसकी फसल पूरी तरह नष्ट हो गई। जल्द ही ओले हर जगह फैल गए और खेत सफेद हो गए मानो नमक से ढक गए हों। लेंचो दुखी हो गया और उसे लगा कि उस वर्ष वे भूखे रहेंगे। अगली फसल के लिए उनके पास बीज नहीं होंगे। उस विनम्र व्यक्ति को ईश्वर पर बहुत विश्वास था और उसने ईश्वर से उसे पैसे भेजने के लिए कहा।

लेंचो को यकीन था कि अगर किसी का ईश्वर में गहरा विश्वास है तो कोई भी भूख से नहीं मरता। अगले रविवार को, उसने भगवान को एक सौ पेसो भेजने के लिए एक पत्र लिखा। उसने संबोधन के तौर पर 'टू गॉड' का जिक्र किया। फिर, वह डाकघर गया, पत्र पर एक मोहर लगाई और उसे मेलबॉक्स में डाल दिया। पत्र खोलकर और पढ़कर पोस्टमास्टर को लेन्चो की ईश्वर में अटूट आस्था के बारे में पता चला।

पोस्टमास्टर ने लेंचो की मदद करने का फैसला किया। उसने अपने कर्मचारियों और दोस्तों से जितना पैसा इकट्ठा कर सका, सब इकट्ठा किया और उसे एक लिफाफे के अंदर डाल दिया और पैसे लेंचो को भेज दिए। लेंचो अपना मेल जाँचने के लिए डाकघर आया। डाकिया ने उसे लिफाफा दिया। पैसे गिनते हुए, लेन्चो दुखी और क्रोधित था। उसने एक सौ पेसो मांगे थे, और भगवान ने उसे केवल सत्तर पेसो भेजा।

उसे आश्चर्य हुआ कि ऐसा कैसे संभव हो सकता है! उसने भगवान को एक और पत्र लिखा। उसने भगवान से बाकी पैसे भेजने को कहा। लेकिन वह चाहता था कि भगवान यह पैसे डाक से न भेजे क्योंकि डाकघर के कर्मचारी चोरों का झुंड हैं। (A Letter To God Summary in Hindi)